DEPARTMENT OF COMMERCE ORGANISED

National Conference on

"Inclusive Banking"

17th September, 2016 – Saturday

12:27 AM 72%
epaper.hindisaamana.com/Det 3

समावेशी बैंकिंग पर राष्ट्रीय संगोष्ठी

मुंबई। 'बैंकिंग का बदलता चेहरा एक वास्तविकता है। समय के परिवर्तन के साथ बैंकिंग में भी एक बड़ा परिवर्तन आया है। अब वह इलेक्ट्रॉनिक समाशोधन, शाखा कोर से डिजिटल चैनल कोर तक पहुंच गई है और दिन प्रतिदिन उन्नति करती जा रही है।' उक्त विचार एसएनडीटी महिला विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. शशिकला वंजारी ने व्यक्त किया। उक्त उद्गार उन्होंने वाणिज्य एवं अर्थशास्त्र विभाग, मणिबेन नानावटी महिला महाविद्यालय एवं बीएल अम्लानी कॉलेज द्वारा आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी के उद्घाटन समारोह में

12:28 AM 72%

एसएनडीटी महिला विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. शशिकला वंजारी ने व्यक्त किया। उक्त उद्गार उन्होंने वाणिज्य एवं अर्थशास्त्र विभाग, मणिबेन नानावटी महिला महाविद्यालय एवं बीएल अम्लानी कॉलेज द्वारा आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी के उद्घाटन समारोह में व्यक्त किए। नानावटी महाविद्यालय की प्रबंध सचिव डॉ योगिनी सेठ ने संस्थान की उपलब्धियों पर प्रकाश डाला। प्राचार्या डॉ. हर्षदा राठोड़ ने अतिथियों का स्वागत किया। इस संगोष्ठी में सुधाकर नायक (उप महाप्रबंधक-विजया बैंक) और रवीद्र संघवी (महाप्रबंधक-भारतीय रिजर्व बैंक) ने भी अपने विचार व्यक्त किए। संगोष्ठी में डॉ जितेंद्र अहेरकर ने सभी अतिथियों का स्वागत किया। समापन सत्र के अतिथि के. आर रंगराजू (उप

Navbharat Times
27th September 2016
p. 3.

'समावेशी बैंकिंग' पर राष्ट्रीय संगोष्ठी

ग्राहक तक बैंकों की पहुंच अभी भी संतोषजनक नहीं

कार्यालय संवाददाता

मुंबई. एसएनडीटी महिला विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. शशिकला वंजारी ने कहा है कि "बैंकिंग का बदलता चेहरा एक वास्तविकता है.समय के परिवर्तन के साथ बैंकिंग में भी एक बड़ा परिवर्तन आया है.

मणिबेन नानावटी महिला महाविद्यालय में कार्यक्रम

अब यह इलेक्ट्रॉनिक समाशोधन,शाखा कोर से डिजिटल चैनल कोर तक पहुंच गई है और दिन प्रतिदिन उन्नति करती जा रही है. हालांकि, आजादी के 69 साल बाद भी ग्राहक तक बैंकों की पहुंच अभी भी संतोषजनक नहीं है. प्रो वंजारी ने विलेपार्ले स्थित मणिबेन नानावटी महिला महाविद्यालय में आयोजित "समावेशी बैंकिंग" पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में कहा कि भारत में प्रत्येक 1600 लोगों की बैंकिंग जरूरतों को पूरा करने के लिए वाणिज्यिक बैंक की एक ही शाखा उपलब्ध है.मणिबेन नानावटी महिला महाविद्यालय के अर्थशास्त्र विभाग एवं बी. एल. अम्लानी कॉलेज द्वारा आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी के उद्घाटन समारोह में नानावटी महाविद्यालय की मानद प्रबंध सचिव डॉ योगिनी सेठ ने संस्थान की उपलब्धियों पर प्रकाश डाला.कॉलेज की प्राचार्या डॉ. हर्षदा राठोड़ ने अतिथियों का स्वागत किया.

संगोष्ठी में विजया बैंक उप महाप्रबंधक सुधाकर नायक,भारतीय रिजर्व बैंक महाप्रबंधक रवींद्र संपती,बी. एल. अम्लानी कॉलेज के प्राचार्य डॉ मिलिंद ओरकर,बैंक ऑफ महाराष्ट्र के उप महाप्रबंधक के. आर. रंगराजू सहित अन्य लोगों ने अपने विचार व्यक्त किये.

Felicitation of the Prof. Shahikala Wanjari, Vice Chancellor, SNDT Women's University

Felicitation of Mr. Ravindra Sangvai, General Manager, Reserve Bank of India.

Dr. (Smt.) Yogini Sheth, Honorary Secretary, Managing Committee - highlighting the accomplishments of the Institute.

Inaugural Address was given by Prof. Shahikala Wanjari, Vice Chancellor, SNDT Women's University